100 से अधिक कंपनियां होंगी लिस्टेड

राज्य मुख्यालय | हेमंत श्रीवास्तव

राज्य में औद्योगिकरण को बढ़ावा देने के साथ ही प्रदेश सरकार अब कंपनियों को शेयर बाजार में ले जाने के काम में जुटी है। इस साल के अंत तक कम से कम 100 कंपनियों को शेयर बाजार में लिस्टेड कराने की योजना है। शेयर के माध्यम से पूंजी बनाने के लिए नेशनल स्टाक एक्सचेंज (एनएसई) की टीम के माध्यम से राज्य की कंपनियों के प्रतिनिधियों को प्रशिक्षित कराया जाएगा।

पिछले महीने तक राज्य की आठ कंपनियां नेशनल स्टाक एक्सचेंज (एनएसई) और नौ कंपनियां बाम्बे स्टाक एक्सचेंज (बीएसई) में लिस्टेड थी। इस प्रकार राज्य में बड़े पैमाने पर उद्योगों के रहने के बावजूद कुल 17 कंपनियां ही शेयर बाजार में उपस्थिति दर्ज करा रही थी। उद्योग से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक राज्य की कुछ और कंपनियां शेयर बाजार में लिस्टेड होने की कतार में हैं।

55 लाख डीमैट एकाउंट के साथ यूपी देश में तीसरे नंबर पर: शेयर बाजार में पैसा लगाने में उत्तर प्रदेश के लोग देश में तीसरे स्थान पर हैं। 55 लाख से अधिक डीमैट एकाउंट राज्य से हैं लेकिन यह पैसा दूसरे राज्यों की बड़ी कंपनियों में अधिक लगा है। यूपी के पैसे से बाहरी राज्यों की कंपनियां अपने कारोबार का विस्तार कर रही हैं।

उद्योग संघों के साथ होगी एनएसई अफसरों की बैठक

राज्य के उद्योगो को शेयर बाजार से जोड़ने के लिए उद्योग संघों खासकर फिक्की, आईआईए, लघु उद्योग भारती आदि के माध्यम से उद्योगों को शेयर बाजार में लिस्टेड कराने की पहल की जा रही है। जल्द ही एनएसई के अधिकारियों के साथ इनकी बैठकें भी कराई जाएंगी।

इन उद्योगों में शेयर बाजार से पूंजी जुटाने की क्षमता

राज्य में इलेक्ट्रानिक्स, आईटी, लाजिस्टिक, मैन्यूफैक्चरिंग, प्लास्टिक, लेदर, एग्रो, फूड प्रोडेक्टस आदि क्षेत्रों में कंपनियों के पास शेयर बाजार से जुड़ने की अपार संभावनाएं हैं। ये शेयर बाजार में लिस्टेड होकर पूंजी का इंतजाम कर सकती हैं। बैंक और बाजार के कर्ज पर इनकी निर्भरता कम हो जाएगी।

इस साल के अंत तक कम से कम 100 कंपनियों को शेयर बाजार में लिस्टेड करा दिया जाएगा। कुछ कंपनियों को लिस्टेड कराने की प्रक्रिया शुरू की गई है। एनएसई के प्रतिनिधि कंपनियों के प्रतिनिधियों को शेयर बाजार में लिस्टेड होने का प्रशिक्षण देंगे। **-डा. नवनीत सहगल,** अपर मुख्य सचिव, एमएसएमई व निर्यात प्रोत्साहन